UNIVERSITY NEWS 20 AUGUST 2026

DAINIK JAGRAN

लवि ने जारी किया एलएलएम का सीट आवंटन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलएम पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पहला सीट आवंटन जारी कर दिया है। अभ्यर्थी अपना सीट आवंटन देखकर 21 अगस्त को रात 12 बजे तक सीट कंफर्मेशन फीस जमा कर सकते हैं। वहीं, एमवीए और एमएफए पाठ्यक्रम में च्वाइस फिलिंग का मौका 20 अगस्त तक दिया गया है। वि.

NBT

'मूक विद्रोही कवि थे तुलसीदास'

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से तुलसीदास जयंती समारोह आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल ने कहा कि तुलसीदास तत्कालीन सत्ता से लड़ने वाले 'मूक विद्रोही' कवि थे। कबीर को एक मुखर विद्रोही माना जाता है लेकिन तुलनात्मक रूप से तुलसीदास मूक विद्रोही हैं। दोनों ने अपने-अपने दृष्टि से सामाजिक विसंगतियों को दूर करने का प्रयास किया। प्रो. हरिशंकर मिश्र ने कहा कि तुलसी उन लोगों के विरोधी हैं जो लोक के लिए कार्य नहीं करते। संस्कृत में उपलब्ध ज्ञान परंपरा को लोक से जोड़ने के लिए जनभाषा में लेखन किया।

NBT

अखिल भारतीय छायाचित्र प्रदर्शनी में देशभर के 80 कलाकारों की प्रतिभा का प्रदर्शन

अपने दौर की पूरी कहानी बयां करती हैं तस्वीरें: ब्रजेश पाठक

विश्व फोटोग्राफी दिवस पर हुए कार्यक्रम

AMRIT VICHAR

बीबीए और बीए का आवंटन जारी

धूमधाम से मनाई गई तुलसी जयंती

AMRIT VICHAR

तुलसी ने वैदिक ज्ञान को आमजन तक पहुंचाया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. हरिशंकर मिश्र। • अमृत विचार

अमृत विचार: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की अवधी शोध पीठ द्वारा गोस्वामी तुलसीदास जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय संगोष्ठी व अवधी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हरिशंकर मिश्र ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास की प्रत्येक पंक्ति एक मंत्र की तरह है। उन्होंने कहा कि संस्कृत के महान विद्वान होने के बावजूद तुलसीदास ने लोकभाषा में रचनाएं कीं, क्योंकि उनका उद्देश्य वैदिक ज्ञान को लोकज्ञान में परिवर्तित कर उसे जन-जन तक पहुंचाना था। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने की जबकि प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री व राज्य ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्र मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कवि एवं साहित्य भूषण कमलेश मौर्य 'मृदु' ने तुलसीदास के चिंतन की सामाजिक उद्देश्यता पर चर्चा करते हुए कहा कि रामचरितमानस तुलसीदास द्वारा दिया गया श्रीराम का ग्रंथ अवतार है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने गोस्वामी तुलसीदास को भारतीय समाज के विभिन्न विरोधाभासों और अंतर्विरोधों के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाला महान कवि बताया। कार्यक्रम में डॉ. विभा सिंह, डॉ. योगेंद्र कुमार सिंह, डॉ. नीरज शुक्ल, अतुल वाजपेयी, सोनी मिश्रा, संदीप अनुरागी एवं मनोज अवस्थी 'शुकदेव' ने अवधी भाषा में अपनी रचनाओं का काव्य-पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

I NEXT

एलएलएम का सीट आवंटन जारी

एलयू ने एलएलएम कोर्स में एडमिशन के लिए पहला सीट आवंटन जारी कर दिया है. अभ्यर्थी अपना सीट आवंटन देखकर 21 अगस्त को रात 12 बजे तक सीट कंफर्मेशन फीस जमा कर सकते हैं. वहीं, एमवीए और एमएफए कोर्स में च्वाइस फिलिंग का मौका 20 अगस्त तक दिया गया है. वहीं एलएलबी, एलएलबी आनर्स और एलएलएम के विभिन्न सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं की हास्टल आवंटन की सूची जारी की है.

प्रो. मीनल और प्रो. गीतिका बनीं एचओडी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने दो शिक्षकों को अलग-अलग विभाग में अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है. इनमें प्रो. मीनल गर्ग को जैव रसायन विज्ञान विभाग और वाणिज्य विभाग की प्रो. गीतिका टंडन को भूगोल विभाग (स्ववित्तपोषित) का अध्यक्ष बनाया गया है. इस संबंध में कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने आदेश जारी कर दिया है.

HINDUSTAN

शिया पीजी में लॉ की मेरिट सूची जारी

लखनऊ। शिया पीजी कॉलेज ने एलएलबी (त्रिवर्षीय) में प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी कर दी है। लखनऊ विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का मेरिट इंडेक्स 83.00 से 63.30 जबकि अन्य से उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का मेरिट इंडेक्स 97.50 से 78.30 रहा है।

चयनित अभ्यर्थियों को 20, 21 और 24 अगस्त 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 3:30 बजे तक महाविद्यालय के विधि संकाय में मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा।

HINDUSTAN

तुलसीदास ने वैदिक ज्ञान को आम लोगों तक पहुंचाया

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। भाषा विश्वविद्यालय की अवधी शोध पीठ ने गोस्वामी तुलसीदास जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और अवधी कवि सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. अजय तनेजा और मुख्य अतिथि राज्य मंत्री गिरीश चंद्र मिश्र शामिल हुए। कवि सम्मेलन में कवियों ने कविता पाठकर श्रोताओं को हंसाया।

मुख्य वक्ता प्रो. हरिशंकर मिश्र ने कहा कि संस्कृत के बड़े विद्वान होने के बावजूद तुलसीदास ने लोकभाषा में रचनाएं कीं। उनका मकसद वैदिक ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाना था। इस अवसर पर किताबों का विमोचन किया गया। साथ ही कवि सम्मेलन में अतुल वाजपेयी, सोनी मिश्रा, संदीप अनुरागी समेत अन्य ने कविताएं पढ़ीं।

विसंगतियों के मूक विद्रोही

एलयू के हिंदी विभाग की ओर से तुलसीदास जयंती पर समारोह हुआ। समारोह में रामलला नहछू की प्रस्तुति समारोह का विशेष आकर्षण रही। मुख्य अतिथि प्रो. हरिशंकर मिश्र ने कहा कि तुलसीदास उन प्रवृत्तियों के विरोधी थे जो लोकहित से विमुख थीं।

HINDUSTAN

एलएलएम में पहला, बीबीए का छठा सीट आवंटन जारी

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय ने कई पाठ्यक्रमों के लिए सीट आवंटन सूची जारी करने के साथ ही कुछ पाठ्यक्रमों में विषय चयन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रवेश संबंधी सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी।

परास्नातक प्रवेश के तहत एलएलएम की प्रथम सीट आवंटन सूची जारी कर दी गई है। मेरिट के आधार पर सीट प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र संख्या के माध्यम से सीट आवंटन की जानकारी देख सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 21 अगस्त को दोपहर 12 बजे तक ऑनलाइन सीट पुष्टि शुल्क जमा कर अपनी सीट सुनिश्चित करनी होगी। वहीं, स्नातक प्रवेश के तहत बीबीए (पर्यटन एवं आतिथ्य) का छठा सीट आवंटन तथा बीए (एनईपी) का चौथा सीट आवंटन जारी किया गया है। अभ्यर्थी अपनी आवेदन पत्र संख्या के माध्यम से आवंटित सीट की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सीट प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को 21 अगस्त सुबह 10 बजे तक ऑनलाइन सीट पुष्टि शुल्क जमा करना होगा।

एमवीए/एमएफए पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग के तहत विषय चयन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अभ्यर्थी अपनी पसंद के अनुसार उपलब्ध शाखाओं का चयन कर सकते हैं। इनमें वाणिज्यिक कला, ललित कला (चित्रकला) मूर्तिकला प्रमुख विकल्प शामिल हैं। विषय चयन की प्रक्रिया 19 से 20 अगस्त तक चलेगी।

एचपीवी टीकाकरण एवं ग्रीवा कैंसर पर व्याख्यान

लखनऊ विश्वविद्यालय में एचपीवी टीकाकरण एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम को लेकर जागरूकता व्याख्यान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और युवाओं को एचपीवी संक्रमण, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम, टीकाकरण और समय पर जांच के संबंध में जानकारी देना था।

भूगोल विभागाध्यक्ष बनी डॉ. गीतिका टण्डन

एलयू प्रशासन ने डॉ. गीतिका टण्डन को अतिरिक्त प्रशासनिक जिम्मेदारी सौंपी है। वाणिज्य विभाग के अपने अन्य दायित्वों के साथ भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष (स्ववित्तपोषित) के दायित्वों की स्वीकृति प्रदान की है। वहीं प्रो. मीनल गर्ग को जैव रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।

I NEXT

ये तस्वीरें तो बहुत कुछ कहती हैं...

विश्व फोटोग्राफी दिवस पर एलयू में सजी प्रदर्शनी, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया उद्घाटन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (19 Aug): विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर राजधानी की लखनऊ यूनिवर्सिटी में बुधवार को एक फोटोग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया. इस दौरान विधायक नीरज बोरा और यूनिवर्सिटी के वीसी जय प्रकाश सैनी और अन्य अतिथि मौजूद रहे. डिप्टी सीएम ने बताया की वह भी एलयू के छात्र रहे हैं और सब कुछ यहीं से सीखा है. उन्होंने छात्र-छात्राओं को भी सब कुछ सीखने और अपने क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम का कोऑर्डिनेशन अतुल हुंडू ने किया.

प्रदर्शनी मे कई विधाओं की तस्वीरें शामिल

प्रदर्शनी मे 80 से अधिक प्रतिभागियो की 155 से ज्यादा तस्वीरें शामिल है, जिनमे 43 ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरे है. क्रिएटिव फोटोग्राफी, फैशन एवं ग्लैमर, प्रोडक्ट फोटोग्राफी, वाइल्डलाइफ, लैंडस्केप और डॉक्यूमेंट्री फोटोग्राफी समेत कई विधाओ की तस्वीरें यहां देखने को मिल रही है. प्रदर्शनी मे कैमरे के जरिए अलग-अलग भावो और दृश्यो को सहेजकर प्रस्तुत किया गया. प्रदर्शनी मे शामिल तस्वीरो ने दर्शको को अलग-अलग नजरिये से आसपास की दुनिया को देखने का अवसर दिया.

फोटोग्राफी के बदलते स्वरूप पर चर्चा

कार्यक्रम के दौरान फोटोग्राफी के बदलते स्वरूप पर भी चर्चा हुई. मोबाइल कैमरे और डिजिटल तकनीक ने फोटोग्राफी को आम लोगो तक पहुंचाया है. आयोजको ने बताया फोटोग्राफी किसी खास पल को सुरक्षित रखने के साथ-साथ समाज की कहानी भी कहती है. एक तस्वीर कई बार उन भावनाओं और परिस्थितियो को सामने ला देती है, जिन्हें शब्दो मे व्यक्त करना मुश्किल होता है.

युवा प्रतिभाओं के प्रयास की सराहना

उद्घाटन के बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने प्रदर्शनी मे लगाई गई तस्वीरो को देखा. उन्होने प्रतिभागियो और विद्यार्थियो से उनकी तस्वीरो के विषय, तकनीक और उनके पीछे की सोच के बारे मे जानकारी ली. इस दौरान उन्होने युवा प्रतिभाओ के प्रयासो की सराहना भी की. विद्यार्थियो ने अपनी तस्वीरो के बारे मे विस्तार से जानकारी दी और बताया कि किसी दृश्य को कैमरे मे कैद करने से पहले उसके पीछे की कहानी और भाव को समझना कितना महत्वपूर्ण है.

खबर से जुड़ी जानकारी के लिए QR करें स्कैन.

HINDUSTAN

कॉलेज ऑफ आर्ट्स में छठी छायाचित्र प्रदर्शनी शुरू

आर्ट्स कॉलेज में फोटो प्रदर्शनी कैंप्स की ओर से आयोजित प्रदर्शनी देखते लोग।

लखनऊ। विश्व फोटोग्राफी दिवस पर कॉलेज ऑफ आर्ट्स फोटोग्राफिक सोसाइटी की छठी अखिल भारतीय छायाचित्र प्रदर्शनी बुधवार को फाइन आर्ट हॉल में शुरू हुई। प्रदर्शनी 20 अगस्त तक चलेगी, जिसमें देशभर के 80 प्रतिभागियों के 155 चयनित छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इससे पहले प्रदर्शनी की शुरुआत उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने की। इस अवसर पर विधायक नीरज बोरा और लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति जेपी सैनी भी मौजूद रहे।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि तस्वीरें समाज का आईना होती हैं। उन्होंने फोटोग्राफी को समय, समाज और मानवीय संवेदनाओं को दर्ज करने की महत्वपूर्ण भाषा बताया। कुलपति सैनी ने अच्छी तस्वीर के लिए दृष्टि, संवेदना और रचनात्मकता को तकनीक से अधिक महत्वपूर्ण बताया। प्रदर्शनी में 43 श्वेत-श्याम और शेष रंगीन छायाचित्र शामिल हैं। प्रदर्शनी में फोटोग्राफी से संबंधित 100 वर्ष से अधिक पुरानी दुर्लभ पुस्तकों का विशेष प्रदर्शन है। (संवाद)

प्रो. मीनल गर्ग बनीं जैव रसायन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रोफेसर मीनल गर्ग को जैव रसायन विज्ञान विभाग का नया विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रथम परिनियमावली के परिनियम-2.20 के तहत यह स्वीकृति प्रदान की है। प्रोफेसर गर्ग को विभाग के सभी शैक्षणिक और प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करना होगा। उनकी नियुक्ति से विभाग के कार्यों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। (संवाद)

DAINIK JAGRAN

'अच्छी तस्वीर के लिए संवेदना व रचनात्मकता जरूरी'

लखनऊ : तस्वीरें समाज का आईना होती हैं। 19वीं सदी में विकास के बाद की दो शताब्दियों की इस यात्रा में फोटोग्राफी केवल तकनीक ही नहीं रही, बल्कि समय समाज संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं को दर्ज करने की महत्वपूर्ण भाषा बन गई है। वे केवल किसी क्षण को दर्ज नहीं करतीं, बल्कि अपने समय, समाज और जीवन की कहानी भी कहती हैं। यह विचार उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को कला एवं शिल्प महाविद्यालय के फाइन आर्ट हाल में आयोजित छठी अखिल भारतीय छायाचित्र प्रदर्शनी के उद्घाटन पर रखे।

कालेज आफ आर्ट्स फोटो ग्राफिक सोसाइटी की ओर से आयोजित विश्व फोटोग्राफी दिवस पर आयोजित तीन दिवसीय इस प्रदर्शनी में विधायक डा. नीरज बोरा और लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी भी उपस्थित रहे। इस वर्ष प्रदर्शनी में देशभर के 80 प्रतिभागियों के 155 चयनित छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें 43 श्वेत-श्याम तथा शेष रंगीन छायाचित्र हैं।

छायाचित्र प्रदर्शनी को देखते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक • सौजन्यः कालेज

दौड़ती मेट्रो में क्लिक करने लगे कैमरे, दिखा छायाकारों का उत्साह

जासं • लखनऊ : दौड़ती मेट्रो से जिधर भी मोहक दृश्य दिखता, अंगुलियां अनायास ही कैमरे के शटर को दबाने को मजबूर हो जातीं। फोटोग्राफी के क्षेत्र मे अनुभव रखने वाले अनिल रिसाल सिंह सहित अन्य फोटोग्राफरो ने यात्रियो को सुंदर चित्र खींचने के गुर भी सिखाए। बुधवार को विश्व फोटोग्राफी दिवस पर हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर 20 अनुभवी फोटोग्राफरो की तस्वीरो की दो दिवसीय प्रदर्शनी भी लखनऊ की विरासत और संस्कृति से रूबरू करा रही थी। यह लखनऊ मेट्रो की अपनी तरह की पहल है, जिसमे शहर की फोटोग्राफी और मेट्रो यात्रा के अनुभव को एक साथ जोड़ा गया। कार्यक्रम का आयोजन फोटोग्राफरो को मेट्रो से शहर को अपने कैमरे मे कैद करने के लिए एक नया और अलग दृष्टिकोण प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया। यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि फोटोग्राफी किसी शहर को खोजने का खूबसूरत माध्यम है और इस पहल से हम लखनऊ के आकर्षण, जीवंत जीवन और लखनऊ मेट्रो की आधुनिक यात्रा को एक साथ लाना चाहते थे।

संस्कृति संरक्षण में तुलसी का अप्रतिम योगदान

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने कहा कि साहित्य, लोकमंगल की भावना, भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में गोस्वामी तुलसीदास का अप्रतिम योगदान है। प्रो. दीक्षित गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर राजकीय बालिका इंटर कालेज विकास नगर में आयोजित गोष्ठी में बोल रहे थे।

लोकरंग फाउंडेशन एवं अवध भारती संस्थान के संयुक्त तत्वावधान आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो. दीक्षित, विशिष्ट अतिथि साहित्यकार डा. रामबहादुर मिश्र व विद्यालय की प्रधानाचार्या कुसुम वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

तुलसीदास ने वैदिक ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाया : प्रो. हरिशंकर

लखनऊ : गोस्वामी तुलसीदास की प्रत्येक पंक्ति एक मंत्र की तरह है। संस्कृत के महान विद्वान होने के बावजूद उन्होंने लोकभाषा में रचनाएं कीं, क्योंकि उनका उद्देश्य वैदिक ज्ञान को लोक ज्ञान में परिवर्तित कर उसे जन-जन तक पहुंचाना था। यह विचार मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हरिशंकर मिश्र ने ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की अवधी शोध पीठ की ओर से आयोजित संगोष्ठी एवं अवधी कवि सम्मेलन में रखे।

गिरीश चंद्र मिश्रा को सम्मानित करते कुलपति प्रो. अजय तनेजा • सौ विश्वविद्यालय

गोस्वामी तुलसीदास जयंती के उपलक्ष्य में हुए इस आयोजन के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री एवं राज्य ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्र रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने की।

UNIVERSITY NEWS 20 AUGUST 2026

DAINIK JAGRAN

लवि के एनसीसी कैडेट्स बनेंगे रक्तदाता

छोटी सी मुलाकात

लेफ्टिनेंट डा.रजनीश कुमार यादव, एएनओ, लवि

● पहले एएनओ के रूप में आपको पुरस्कार मिला, कैसा लग रहा?

–देश में जिन 18 लोगों को चयन किया गया, उनमें एसोसिएट एनसीसी आफिसर (एएनओ) के रूप में सिर्फ मेरा नाम है। पहली बार रक्षा मंत्रालय की ओर से थल सेना उप प्रमुख अवार्ड दिया गया।

● यह अवार्ड आपको किस कार्य के लिए मिला है?

–एनसीसी में एएनओ का काम यूनिट और संस्थान स्तर पर इससे जुड़ी गतिविधियों को धरातल पर बेहतर तरीके से संचालित करना है। मैंने 100 प्रतिशत यह कार्य किया, इसलिए अवार्ड दिया गया।

● क्या इससे पहले भी कोई अवार्ड आपको मिला है?

–फरवरी 2025 में कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने यूपी में बेस्ट एसोसिएट एनसीसी आफिसर के रूप में पुरस्कार देकर सम्मानित किया था। मेरे लिए वह पल यादगार है।

● एनसीसी के क्षेत्र में किस तरह के अभियान चलाए हैं?

–एनसीसी में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन बहुत से बच्चों को इसके बारे में जानकारी नहीं है। किन–किन लीडरशिप कैंप के लिए वे जा सकते हैं, उसके प्रति जागरुकता अभियान चलाए जाते हैं। स्लम एरिया में 64 एनसीसी यूनिट की ओर से हर साल अक्टूबर में गर्म कपड़ों का वितरण सहित कई गतिविधियां जारी हैं।

● एनसीसी के क्षेत्र में आगे क्या योजना है?

–एनसीसी में अधिक से अधिक विद्यार्थी आएं, इसके लिए जागरुकता अभियान चलाएंगे। हमारी योजना है कि इस बार जो एनसीसी में नए प्रवेश हों, उन सभी के ब्लड ग्रुप की सूची तैयार कराएं, ताकि किसी को भी यदि ब्लड की जरूरत हो और वह संपर्क करे तो रक्तदाता के रूप में कैडेट उसे संबंधित ग्रुप का ब्लड उपलब्ध कराएं।

TIMES OF INDIA

Shutterbugs' tribute to Raghu Rai

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Internationally recognised photographers and a curated collection of rare photography books attracted steady footfall on Wednesday at the Sixth All India Photography Exhibition at College of Arts and Crafts, Lucknow University.

Organised by College of Arts Photographic Society (CAPS), the three-day exhibition is being held from Aug 18

Dy CM Brajesh Pathak taking a look at photographs on display in the All India Photography Exhibition in LU

to Aug 20 and is dedicated to legendary photographer Raghu Rai. The show brings together a wide range of genres, with photographs spanning fashion, commercial work, landscapes, wildlife, street scenes, festivals, sports, monochrome studies and documentary projects. Visitors engaged with contributions from photographers associated with CAPS exhibitions, including Rajarshri Sengupta, Abid Salem and Praveen Upadhyay, whose work helped strengthen the society's national and international profile.

AMRIT VICHAR

मानवीय संवेदनाओं को व्यक्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम फोटोग्राफी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट हॉल में अखिल भारतीय छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया। इस अवसर पर विधायक डॉ. नीरज बोरा व कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि ने प्रदर्शित छायाचित्रों की सराहना करते हुए कहा कि तस्वीरें समाज का आईना होती हैं। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफी केवल तकनीक ही नहीं रही बल्कि समय समाज संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं को दर्ज करने की महत्वपूर्ण भाषा बन गई है।

प्रदर्शनी में देशभर के 80 प्रतिभागियों के 155 चयनित छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें 43 श्वेत-श्याम तथा शेष रंगीन छायाचित्र हैं। प्रदर्शनी में कॉलेज से जुड़े प्रख्यात कलाकार एवं शिक्षाविद् प्रो. जय कृष्ण अग्रवाल एवं प्रो. पीसी लिटल के छायाचित्र भी प्रदर्शित हैं। इस वर्ष की प्रदर्शनी प्रख्यात छायाकार रघु राय की स्मृति को समर्पित की गई है।

प्रदर्शनी का उद्घाटन करते उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व कुलपति प्रो. जेपी सैनी।

● 100 से अधिक फोटोग्राफी आधारित पुस्तकों की भी लगी है प्रदर्शनी

प्रदर्शनी में फोटोग्राफी से संबंधित 100 वर्ष से अधिक पुरानी दुर्लभ पुस्तकों का विशेष प्रदर्शन भी किया गया है। यह संग्रह दर्शकों को छायांकन के विकास, तकनीक और इतिहास को करीब से समझने का अवसर प्रदान कर रहा है। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर आयोजित इस प्रदर्शनी के साथ दो विशेष फोटोग्राफी कार्यशालाएं भी आयोजित की जा रही हैं। 19 अगस्त को फैशन फोटोग्राफी तथा 20 अगस्त को पोर्ट्रेट प्रकाश व्यवस्था पर कार्यशाला होगी।

SWATANTRA BHARAT

तस्वीरें समाज का आईना : डिप्टी सीएम

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर कॉलेज ऑफ आर्ट्स फोटोग्राफिक सोसाइटी के तत्वावधान में फाइन आर्ट हॉल में छठी अखिल भारतीय छायाचित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदर्शित छायाचित्रों की सराहना करते हुए कहा कि तस्वीरें समाज का आईना होती हैं। फोटोग्राफी अब केवल तकनीक नहीं, बल्कि समय, समाज, संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं को दर्ज करने वाली महत्वपूर्ण भाषा बन चुकी है। विधायक डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि वर्ष 1957 में स्थापित कॉलेज ऑफ आर्ट्स फोटोग्राफिक सोसाइटी लंबे समय से सराहनीय कार्य कर रही है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने कहा कि मोबाइल कैमरे ने तस्वीर लेना आसान बना दिया है, लेकिन अच्छी तस्वीर के लिए तकनीक से अधिक दृष्टि, संवेदना और रचनात्मकता जरूरी है। इस वर्ष प्रदर्शनी में देशभर के 80 प्रतिभागियों के 155 चयनित छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं, जिनमें 43 श्वेत-श्याम हैं। प्रदर्शनी प्रख्यात छायाकार रघु राय की स्मृति को समर्पित है। यहां 100 वर्ष से अधिक पुरानी दुर्लभ फोटोग्राफी पुस्तकों का भी प्रदर्शन किया गया है। 19 अगस्त को फैशन फोटोग्राफी और 20 अगस्त को पोर्ट्रेट प्रकाश व्यवस्था पर निःशुल्क कार्यशाला होगी।

AAJ

एचपीवी के लगातार संक्रमण ही ग्रीवा के कैंसर प्रमुख कारण-प्रो. रेनू सिंह

लखनऊ, (आज समाचार सेवा)। लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को एचपीवी टीकाकरण और कैंसर विषय पर एक ज्ञानवर्धक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उन्नत आणविक आनुवांशिकी एवं संक्रामक रोग संस्थान आईएएमजीआईडी और प्राणी विज्ञान विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। मुख्य वक्ता लखनऊ स्थित केजीएमयू के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की प्रोफेसर रेनू सिंह ने दिया जिन्होंने श्रोताओं को गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर, इसके जोखिम कारकों, रोकथाम और एचपीवी टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया प्रो सिंह ने बताया कि उच्च जोखिम वाले ह्यूमन पैपिलोमावायरस एचपीवी के लगातार संक्रमण से गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर प्रमुख रुप से होता है । उन्होंने एचपीवी के विभिन्न प्रकार के टीकों के बारे में चर्चा की और बताया कि कैसे टीकाकरण, जागरूकता और उचित जांच के साथ मिलकर गर्भाशय के कैंसर की रोकथाम में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। व्याख्यान का एक महत्वपूर्ण संदेश यह था कि एचपीवी टीकाकरण केवल लड़कियों के लिए नहीं है बल्कि लड़कों को भी टीका लगवाना चाहिए। लड़कों को टीका लगवाने से एचपीवी के प्रसार को कम करने में मदद मिल सकती है और साथ ही पुरुषों में एचपीवी से संबंधित बीमारियों और कैंसर से सुरक्षा भी मिल सकती है। व्याख्यान में शीघ्र रोकथाम, नियमित जांच, किशोरों और युवाओं में जागरूकता और एचपीवी टीकाकरण से संबंधित गलत धारणाओं को दूर करने से के महत्व पर भी जोर दिया गया । सत्र ने छात्रों और उपस्थित लोगों को टीकाकरण को एक महत्वपूर्ण जन स्वास्थ्य उपाय के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित कियाए न कि बीमारी विकसित होने तक इंतजार करने के लिए ।

AAJ

तस्वीरें समाज का आईना होती हैं-बृजेश पाठक

लखनऊ, (आज समाचार सेवा)। तस्वीरें समाज का आईना होती हैं जो समाज के हर पहलू को उजागर करतीं हैं। उक्त उद्गार बुधवार को कॉलेज ऑफ आर्ट्स फ टोग्राफि क सोसाइटी सीएपीएस द्वारा आयोजित छठी अखिल भारतीय छायाचित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि 19वीं सदी में फोटोग्राफी के विकास के बाद की दो शताब्दियों की इस यात्रा में फ टोग्राफी केवल तकनीक ही नहीं रही बलि समय समाज संस्कृति और मानवीय संवेदनाओ को दर्ज करने की महत्वपूर्ण भाषा बन गई है। फोटोग्राफी केवल किसी क्षण को दर्ज नहीं करतीं, बल्कि अपने समय, समाज और जीवन की कहानी भी कहती हैं। इस अवसर पर विधायक नीरज बोरा ने 1957 में स्थापित सीएपीएस इतने सालों से सराहनीय कार्य कर रही है। वाईस चांसलर प्रोफेसर जय प्रकाश सैनी ने कहा की आज कैमरा मोबाइल तक पहुंच गया है और तस्वीर बनाना आसान हुआ है, लेकिन अच्छी तस्वीर के लिए तकनीक से ज्यादा जरूरी है दृस्टि, संवेदना और रचनात्मकता। प्रिंसिपल रतन कुमार ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इनॉग्रेशन कमिटी से जुड़े छात्रों व शिक्षकों के प्रयास की सरहना की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रदर्शनी में देशभर के 80 प्रतिभागियों के 155 चयनित छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें 43 श्वेत–श्याम तथा शेष रंगीन छायाचित्र हैं। प्रतिभागियों में महाविद्यालय के छात्र, शिक्षक एवं पूर्व छात्र तथा देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े छायाकार और छायाचित्र प्रेमी शामिल हैं। प्रदर्शनी में कॉलेज से जुड़े प्रख्यात कलाकार एवं शिक्षाविद् प्रो जय कृष्ण अग्रवाल एवं प्रो पीसी लिटल के छायाचित्र भी प्रदर्शित हैं। इस वर्ष की प्रदर्शनी प्रख्यात छायाकार रघु राय की स्मृति को समर्पित की गई है। प्रदर्शनी का उद्देश्य फ टोग्राफ ी को केवल दस्तावेजी माध्यम के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय उसकी रचनात्मकताए सौंदर्यबोध और दृश्य अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना भी है। प्रदर्शनी में फ टोग्राफ ी से संबंधित 100 वर्ष से अधिक पुरानी दुर्लभ पुस्तकों का विशेष प्रदर्शन भी किया गया है।